

५१६।५ १७७

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे.

हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमां

ग्रंथ नाम



प १७७ (१५७)

चें बाड.

विषय

मराठी काव्य.

(1)

॥ सुदाम ॥ २ ॥

॥ तमतीनाही दीजरें की ॥ जीतके
॥ वळ ओं की ॥ तैसा जकलं कीत
॥ पेकज अकुर ॥ हस्त संकरस
॥ मासं कर ॥ भुदेवाचे पाय खुले
॥ जानुजे घन गुल्फ द्रम आतोक
॥ ढोर ॥ भींगुळ चंगुळी कानखे
॥ मातीस हार वरले ॥ हळु
॥ हळु पद ॥ लुकी केंटक
॥ हरील ॥ सुतळ नीमळज
॥ कर खुम ॥ कांवन पात्री
॥ प्रक्षालुनिया ॥ अचल वस्त्रे पु
॥ सुनीनी श्रवण हृदई धरीले ॥ ने
॥ तला उनीमु गुटका दुनी मत्त
॥ कीवरीले ॥ चंदन चौकिवरी वि
॥ स्तरीले ॥ क्षण क्षणा अवलोकु
॥ नी प्रेम बहु अदरीले ॥ सांग

(2)

॥ तसुशब्दाही भरीले ॥ धन्योडं ध
॥ न्याकत छय मतीने चरणोदक
॥ सहकुटुंब होउनी ॥ दांडेवासे
॥ स्तंभ सौपीले ॥ नवक शरद्वण
॥ सारमल ये पाटीर बाणार सभा
॥ लचर्यीले ॥ मय्यकार कडाही
॥ कीर्ण पुग ॥ उदतुनी रा
॥ या सवा ॥ दशांग गुगु
॥ कंधुपकुप ॥ समतुळ बतीका ॥ ५
॥ सुप सुवीर ॥ तळीका दिपला
॥ वीले ॥ अमुपम ॥ अमुपवी प्ररुप
॥ भव्य भरपुर दीव्य कर्पूर ॥ दीवे बडु
॥ धव चव सुप्रसादी अमुप फेणीया ॥
॥ पंचरखा ये नेवे दोह दोम धुवाये पुर
॥ स्कर गद्ये पद्ये अनन्य दोस दोसुर्य
॥ विद्ये मान सशुभन दो जलाहाय

(3)

॥ मध्ये मध्ये पाणीय सहित श्री ज्यो
॥ हरी ने नैवेद्ये वद्ये ब्राह्मणा पुढे त्या
॥ रुनी पराता वरा करुनी प्रधु पात्रे नीवे
॥ दीली ॥ ५ ॥ सत्य भाँछत्र धारी ॥ सत्य शो मा
॥ ल्या च्या मरवारी ॥ स्त्री जं बुवंती व्य
॥ जन सवारी ॥ भद्र मयोरी पीछु उ
॥ भारी ॥ सु ॥ गीन पद्म लला उ
॥ नी ॥ ५ ॥ उभी लक्ष्मणा ॥
॥ मीत्र पुंदा ॥ ३ ॥ काली ही
॥ ईदी व सम ॥ ३ ॥ नेशादी
॥ जवंदी ॥ ३ ॥ अकृनायका ॥
॥ दस सश्र सी वारका ॥ कृष्णा जी
॥ सुपदनी कृति कृती ॥ ईश्वरी चे
॥ अभीष्ट यी तुन ॥ मीष्ट मीष्ट रप्र
॥ विष्ट करी ती मीष्ट मोहरी या मुष्टी
॥ भरुनी या ॥ द्रष्टी उतर ती उजी
॥ तद्रष्टे कष्ट रहीत तो धृष्ट पुष्ट सं

(4)

॥ तुष्ट ॥ मृदु वीर्य रवासी वस्त्री छ
॥ तैसा द्रष्टु द्रष्टु उक्तु नीविष्टु ये
॥ देव श्रेष्ठ श्री पुष्प वृक्षीने स्पष्ट भा
॥ ल अ व सी द्य ॥ सी रवा आ से छ
॥ अ सी य म्जे य हरी ने क नी च हो
॥ नी ॥ ये नी द्य ॥ न न का या देवी
॥ संपत्त पु ॥ ॥ सुंदर हे स
॥ तुली वा सु ॥ ब्राह्मण जै सा
॥ नृपती ॥ स ॥ श्री या ज प ती ॥
॥ संनी ध वै ॥ न या ज प ती ॥ नम्र
॥ रुस्त के वि ॥ रुस्त त द्ये उ नी ॥
॥ प्रशस्त ची ते ॥ प्रशस्त व र्त्त मा
॥ न मा गी ल पु स ल जि ॥ सु दाम जी
॥ तै तु ह्नी आ ॥ सी बा क प णी उ ज
॥ नि मा जी ॥ द्य री गु स र्था प ठ त अ
॥ सो जी ते अ व व ते कि स न्दी पी नी

(6)

॥ केशविदातानी की सासराच्या सा
॥ रा ॥ तुझ्याचेरणीमजदेधारातुजग
॥ उधारा ॥ ५ ॥ दे ॥ ५५ ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
॥ पद ॥ सताचीमहीमाकायेकोणकेसी
॥ वानी ॥ ६ ॥ केवळरीसरीअवता
॥ २ ॥ ज्यान्याचेसाक्षीकारा ॥ करी
॥ तोजडजि ॥ मस्तकीटेउ
॥ नीयापा ॥ सामेश्वरते
॥ अर्चद ॥ ३ ॥ डाबलेवेद ॥
॥ तुकोबले ॥ ४ ॥ बुउउनस
॥ केपेपाणी ॥ ५ ॥ सं ॥ पाषाणाची
॥ मुर्तीभिली ॥ नामदेवेजेवनीली ॥
॥ शरीराचीपुष्पकेली ॥ तो हाकवि
॥ रत्नशानी ॥ ६ ॥ सं ॥ मुकुंदराज
॥ केशवस्वामी ॥ रामदासजणी
॥ जयरामी ॥ अकाजनादनानेना

(7)

॥ मि ॥ कीर्तन के पै तरणी ॥ ४ ॥ सं ॥
॥ चरणे स्पृशे तारीजन ॥ बचने के
॥ ब्रह्मपणि ॥ ऐशा संत मुर्ति जाण ॥
॥ बस्य लिङ्गान्ये ध्यामि ॥ ५ ॥ सं ॥ ५ ॥
॥ हेतु जक से ककते कसे ककते ॥ हरी भिज
॥ नीका पीत ककते ॥ ६ ॥ पराव्याचे ये
॥ ता ॥ अनपण ॥ होत ॥ ७ ॥ हे ॥
॥ परमार्थ ॥ ॥ प्रहास पत्रा
॥ वकी जे येत ॥ शरसन अन्नक
॥ राये ॥ घट भ ॥ पावे ॥ ३ ॥ हे ॥ के
॥ न्या पुत्र कृत ॥ ॥ न ज वाई जे पावे ॥ ४ ॥ हे ॥
॥ सिव दीनी के हारी नाथ ॥ प्रपन्न सोडुनी
॥ या परमार्थ ॥ ५ ॥ हे ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥
॥ सौरी ॥ कलयुगीय रोचरी संत जाले फार ॥ नी
॥ तमरी पोटा सादी कीरति दारोदर ॥ १ ॥ ये ये
॥ काही नाहितुला गुरु के पाई ॥ ६ ॥ ना
॥ लरा डेटा करु कान को करु बोले गुरु कीण
॥ मार्ग नाहि वे भंगल बल ॥ १ ॥ ये ॥ टिळमा

(8) अयेनकर ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥ १०० ॥

॥ काचालुनिगका लणति अह्नीसाधु ॥ दया
॥ धर्मचितिनाहिते जाणाचे भोदु ॥ ३॥ ये ॥
॥ वाचुनिपडुनी जाले शाणे हाणती अह्नी
॥ संस्थित ॥ परनारी देखोनी डो काचं चळो
॥ येचित ॥ ४ ॥ ये ॥ संत हाणती करतिल
॥ नींदानी दान येथारी तुका हाणे अन्यभा
॥ ये शरण येता ॥ ५ ॥ ये ॥ ५५ ॥ ५५ ॥
॥ सौरी ॥ काल ॥ खहे दिल मना ॥ ६ ॥
॥ परतोनी डे ॥ राम जवाळी
॥ गभा ॥ अडे ॥ जातु अपु
॥ ल्याढाणा ॥ अण ॥ सांडी
॥ कालाज अता ॥ अण ॥ माथा ॥
॥ सडुरुसी शरण जाई पाकरील आ
॥ ता ॥ १॥ वा ॥ न येन न केनारना हीतेथे
॥ योनी ॥ हुसकुन गेले सावले तेथे हा
॥ रपली दोन्ही ॥ ३ ॥ वा ॥ बोधला हाणे सा
॥ उवा दवा या करी सील सीण ॥ हुहा आ

(१)

॥ सुदाम ॥ १९ ॥

॥ रकेली जरी जावे ॥ रुती आभे ठीस का
॥ यन्यावे ॥ लाजीर माणे काय हणोवे ॥
॥ नीकाम वृत्तुसी पाहावे ॥ परमलाभ
॥ पुण्यं श्लोक वीक लो कुनी ॥ मानुनीक्ष
॥ मासील क्षुदक्षामारामा ॥ द्यामांगी
॥ नेचौदा रीया ॥ रुनीया ॥ चार
॥ मुछी पाह ॥ खंड वीध्या
॥ जे पुनीया ॥ रदरी काडान
॥ सीगायो जी ॥ च्या रुमती
॥ नेचतुर्गती नया ॥ दुर्योधन नयवलि
॥ नेछं ब्रह्मसीधातर्गने ॥ पती पुढे ती
॥ टेवियली ॥ तेणे गलीत कण हणउ
॥ नीक दीपुटी रदीयेली ॥ जाल्या
॥ प्रातः स्नान संध्या पासन ॥ दुद
॥ भसिन गुंजालु नी कुशा गुकुळी

- ॥ ये कुहासु कीच्याहु भप्रयाणी॥ राणी
 ॥ पीयासीपाणी जोडुनि॥ अंजुकीमा
 ॥ त्रमात्रयात्र करुपंथात विरागमनो
 ॥ रथाचा साज बांधीला॥ माज अजये
 ॥ दुराजराजदारीमुलात मतीचा वीला
 ॥ सकैसासैस समजत सैसीत जाता
 ॥ अवाजनरे नवाजसधव
 ॥ जीवदारा येति॥ रा॥ चर
 ॥ तिकामधनर सुवर्णरनखणी
 ॥ तधवलार फुललाकांथनमयकल्लारे॥
 ॥ कौतुकरिचिले हरीमल्लारे॥ समुद्रचल
 ॥ यीतमलय मेरुसमनीलय॥ हरीचे
 ॥ प्रलय॥ संपत्त्याकुबलय॥ उगवेवर
 ॥ णालय॥ यादवप्रवादवल्ली भलीउ
 ॥ गवली॥ कृष्णगगनकल्पद्रुमकवली॥
 ॥ कोमलतासहपल्लवली॥ अंमृतफळे

(11)

॥ नंम्रेल बली सोमवै श्याते जटवटव
॥ लीखेयमंडपावरी साटवलि ॥ यदा
॥ संतव संतभेट ता शंतील बली ॥ धव
॥ लीभुत प्रवली उडवलि ॥ ३ ॥ जाल्या
॥ हात पाय च्या नळ्या ॥ न जीवर दीस
॥ तिबे गल्या ॥ मम सपडल्या व
॥ क्या ॥ नर ॥ आंगोळ्या ॥
॥ उपवासो ॥ जाले अंगाने
॥ सस काळे ॥ देहेत प जाला
॥ सेंडर ॥ ३ ॥ जाली चाके
॥ वळपंजर तालुनी पारि ॥ नीगमगर्भ
॥ कुश दुर्भर पोटी दर्भ ॥ पवीत्र पवीत्र
॥ सद्दामुखी ब्रह्म सुत्र ॥ सीत सुत
॥ गळापरी नीबर दोउका त्रिनीरोड
॥ काधर्म जो उका ॥ अउका जवळी
॥ नाही सथापी ॥ अउका दिकोणी

(12)

॥ न करीतातीन देव ॥ ५ ॥ ज्याको लांडु
॥ नीया ॥ चौथे मुक्तद्वार हरी ये वेधता
॥ चिदेखीले हरी ने ॥ लगबग लगबग
॥ ओंकी रुक्मीणी बैसली ते पर्यकी
॥ लोटुनी ॥ उडी राकुनी धावत ये उनी ॥
॥ ब्राह्मण चरण मसकटे उनी ॥ दे
॥ उवत नर्म ली ॥ उटी उटी
॥ हणेत ॥ चहुं भुज्जीक
॥ उकलुनी ॥ प्रेम बध्द
॥ वरीले ॥ कोडे ये उनी ॥
॥ नाचात नाचत स्युती नंदे ॥ घी
॥ यमुती दीजाची नीजासनी बैस
॥ विली ॥ १ ॥ ब्राह्मण बैसवीला पर्य
॥ की ॥ हाचे वरण मोळीले यंकी ॥
॥ तेटे उनीया अपुले अंकी ॥ शंकी

- ॥नरतनुसरीनहेकिसचम्रमताकहाला॥६८॥तवपण
 ॥संपतिवीकारधरुनीफाअहंकार॥कानिकनकांकांकार॥
 ॥बोझिसिदुहाला॥१॥न॥द्रस्त्रितुकाअद्रश्यनासजा
 ॥पुनियानभास॥करुकारलेहेबासलायितीमहाला॥१॥न॥
 ॥यडिपकचडिठपतोकाकअतानेइसिकाका॥अंतिसर्ध
 ॥हिंदुकाक॥अटविदेवाला॥३॥न॥नाथभुजंगस्य
 ॥तपाहिसेविसदुसचपाजे॥बहुतसाधतिउपाये
 ॥अटविदेवाला॥६९॥६९॥६९॥
 ॥नीसीदीनमज॥जातजावे॥६९॥श्व
 ॥यणमननिज॥विधरुनिकासा॥सं
 ॥तासिनीकटवार॥जावे॥१॥नि॥सच
 ॥स्नानसंभवा॥तिकेसावास॥मेम
 ॥नुकामाकबेलवाडुपुजावे॥२॥नी॥नाथ
 ॥भुजंगस्यहितजाणजाणतिलतेसुखाण॥
 ॥साष्टुनिदेहेअभीमाननिजगुजउमजावे॥३॥६९
 ॥मलुरुवानमेहरबानतुंदिवानख्यागते
 ॥जि॥६९॥हाईरंगजईपावुअंमतेजि॥जई
 ॥परस्वारजईबोढतेदुहालतुमनोकरुडेको
 ॥सल्लनितमहाललागतेजि॥१॥म॥हाजि
 ॥रकेहुपूरगाफिकलोदुरभागतोजि॥

॥ मधकराव वेदद्विहारंग गसुकाक फर
 ॥ उरठेर रागते जि ॥ १॥ म ॥ खुले वक्तुं
 ॥ तस्तु उपर खुडा वर रागते जि ॥ गाईये
 ॥ गितनाथ भुजंगा सुता सुत संपथ पथ
 ॥ राख गरीब नवा जवेत नमागते जि ॥
 ॥ ३॥ मलुरयान महरबान ॥ ८५ ॥ ८५ ॥
 ॥ अयायेदारधी गदरदुन्यादारना
 ॥ थ जि ॥ ध्या ॥ छिरिरीरना रसुर
 ॥ अपासा ॥ स्याबीक टबाके
 ॥ हातियार ॥ नडमरुधरनागी
 ॥ तळनारहात ॥ मा ॥ कावभुया
 ॥ बलदलवाल ॥ लनातुरे ॥ दियान
 ॥ लहिमायल ॥ ररर मजमजलजन
 ॥ हुचे फलक हुके सीवातरे ॥ २॥ आ ॥
 ॥ तुतोदेत जवरदस्तमस्तु परदातरे ॥
 ॥ जोगीस्ती धांत अगम बबोले बेदांत
 ॥ बाएत तंती गि वानुहान रचचुज्या
 ॥ तफातरे ॥ ३॥ आ ॥ अरे तुज कुदु
 ॥ नखवर रतापुर जसुर ज्यातरे ॥ सा

(15)

॥ हे वसे दागर सोरख या रिन्द नागरना ॥
॥ थपु जेरंगार सपर मगलु गातरे ॥ १॥ अ ॥ २५ ॥ २५ ॥
॥ राघवनाम वरे उदरे तु गरीब लो गुनी ॥
॥ जाई वरसी का स्यहित विजारी रे हो ॥ २५ ॥
॥ संतत ज्ञाना माचा स्मरणे ॥ श्री दहना ॥
॥ थसुता दिकत पुर ॥ १॥ रा ॥ होथोनी ॥
॥ पाहाता सरी पुराणि ॥ पावन हे श्री भुव ॥
॥ निपारा पुर ॥ हेति कर पर ॥
॥ मार्य धरा ॥ मानसी बसो ॥
॥ निरंत ॥ ३ ॥ २५ ॥ २५ ॥
॥ रघुराजा जिवे ॥ ये छल निश्चय ॥
॥ राधरी ॥ १ ॥ २५ ॥ २५ ॥
॥ नयरि रद मिल मणी सरी सा ॥ २५ ॥
॥ जितराज सभेत सरोज ईनेक्षण के ॥
॥ विसंढसा ॥ उडुमाजिसुधाकर दे पि ॥
॥ पुरंधर काननौ कदंबतसा ॥ २५ ॥
॥ सा विण भुपगणी नगणी मन सांग वि ॥
॥ कल्प कसा सडसा ॥ १ ॥ २५ ॥
॥ २५ ॥ २५ ॥ २५ ॥ २५ ॥

(16)

॥ हुजे ॥ पण अपण राम जिणो न जिणो
॥ वरुण बोहु निचा पभुजे ॥ मज हाहार
॥ धिज पतिज माति तकि राजन ति नलजे ॥
॥ जनकोणि हुणो न हुणो गुण नी गुण
॥ राम पदान लजे ॥ २॥ ॥ बहु कायेष
॥ दो धन काये विना न ज काये च डिज
॥ तगे ॥ जन काये ॥ ज कासी ज
॥ ग ॥ जग का ॥ तग ॥ तय पा
॥ ये दरिद्र उप ॥ ज पाये जसा
॥ नलगे ॥ अ ॥ पाउ लिगे सरये
॥ बोल सिनु ॥ लगे ॥ ३॥ ॥ २१ ॥ २५ ॥
॥ गहे ॥ नोर ॥ लका सिंहास
॥ निबेसला ॥ ६६ ॥ तुहमी जही संगे
॥ जेउ ॥ गार्थ काय यासि जाउ ॥ या
॥ चिमने तबु कया देउ ॥ जता जय
॥ कि जता ता भिउ ॥ १॥ ग ॥ रेको हुतो
॥ तुहुंबरी ॥ थउ का हाणे टीरावरि ॥
॥ तोहा ये होद चाहरी ॥ याचि दके
॥ चाल लि १॥ २॥ ॥ सो बिद्येता

(17)

॥ सुहाम ॥ २३ ॥

॥ यारवोबकी सुनीया ॥ कोहीबीर
॥ सुंदर अल्पर इति रूचीर उर इति ॥ को
॥ मळ अंगीसगळी वांगी ॥ सुभ्रकारली
॥ अंगीकारालि ॥ मेथीपाथी बोथी केळे ॥
॥ काथीबीर हळदिस हळकाथी वाचुका
॥ चाकवत ॥ चवली चवळ सेगाचम
॥ कोरादक ॥ गला ॥ चम
॥ चमीको ॥ तन्यारोव्या
॥ येसंबारे ॥ मणीबेडिची
॥ चपानवी ॥ उली ॥ कोह
॥ लकासीधिकळ वाकडीया कुडी
॥ रीयाकमळ कंदकेळिका ॥ चरया ॥
॥ दुधभोपळे दिव्य होडकोदाकंबी
॥ जसेलवाळके ॥ शोगासुरण अस
॥ वारपरवरे ॥ पडपडवळी तोडोळी
॥ कोडोळी ॥ काटाणकुमुळ प

(18)

॥ फुक पत्र तस वेळ मात्र धुते पाची
॥ तहारया ॥ वडे कोर वडे पापड बीज
॥ वडे ॥ सीया सगट गट पुज्या वज्या
॥ गुळ वज्या कयोज्या सांजो ज्यामा
॥ लया देट वेश्रु भ्र बोट वेकर सेव
॥ या सायस हात मीत पाव सलुन्या ॥
॥ मांडे पाठर ॥ कोर्या धुते
॥ द्योळ्या ॥ त्व्या ॥ दुर्डी
॥ भरुनी धीर ॥ कस के नाजु
॥ कराज सव ॥ नन वल देखेनी
॥ विप्रमान वळे ॥ साकर फेण्याची
॥ वरवारगे मोते तुरजी ठेबी दकी
॥ या ॥ बारीक बोदन देव्यानु मोद
॥ नरायणात केशरी परमकुसरी ॥
॥ दहि दुध धुत मधु साकर धनरा

(19)

॥ बजां बभरपने फूटान्ये ॥ मवा मी
॥ टाब हुमधुरता पेसी ॥ लोन कडेथी
॥ जलगाई चेलुप माहा चोगले थोगे
॥ गाळे ॥ वाटी भरये कये कव्यरचा
॥ सोळा दुजारे पटा धिने लार सानुभा
॥ वाने वीर्ये ॥ उरले अंनसा
॥ हरसाद ॥ मारं पाने ॥ या
॥ रीति रंभा ॥ सहस्रन वंगे
॥ रीपाने दि ॥ लाजती संमाने ॥
॥ कीकण सुपासी सोरनेरी कोन्देरी
॥ तीमया अनंदाने ॥ लवंग सोनेस
॥ वंगसोनेस केले गोवींद्राने ॥ वेळा
॥ जाये फळ सुर्वपणी चिणी कृतमो
॥ ती भौजुनीया ॥ चुना अर्कनी
॥ जळक वक संपर्क शाने

(20)

॥ क्षालीत हस्ते हावें तर्च
॥ रुसम गर्क सुदाम तर्करुतान
॥ पञ्जल की ॥ तैसा समाधी शायनी
॥ शायनर उनी ॥ इंद्र भुवन पद सु
॥ वर्ण पणी दे ॥ अमल क्षणे दक्षिण
॥ लक्ष्मी मनी ॥ जगो धर देवे
॥ विचया ॥ ताडुगी करुनी
॥ गायचे ग ॥ ली ॥ कदा
॥ पिधन हरी ॥ या क्षि ॥ वृती ज
॥ याची ॥ नी स्पृहता
॥ रूप ये मोहराची ॥ कळली मुख्य
॥ हरी सत याची ॥ येकरात्र कुंटुनी
॥ हरी संगे कसुसम र्वैक ल्य रहीत
॥ श्री कृष्णाय नमः ॥ संगुण ब्र
॥ हवी लो कुनी चीं तुनी ॥ स्नान



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com